॥ ओ३म् ॥

गुरुकुल काङ्गड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

(नैक से "A" ग्रेड प्राप्त एवं यू0जी0सी0 एक्ट 1956 के सेक्शन 3 के अन्तर्गत समविश्वविद्यालय)

Gurukula Kangri (Deemed to be University), Haridwar

(NAAC "A" Grade Accredited Deemed to be University u/s 3 of UGC Act 1956)

संक्षिप्त विवरण

औषधि पादप महाकुम्भ-2021

(जनवरी-2021 से अप्रैल-2021 तक)

❖ **आयुर्वेद-सामंजस्य की कलाः**

आयुर्वेद शरीर, मन और आत्मा के सामंजस्य की कला है। भारत की पवित्र भूमि में आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान लगभग 5000 वर्ष पहले से विद्यमान है और दुनिया में स्वास्थ्य प्रबंधन की सबसे पुरानी प्रणाली है जिसमें दोनों औषधि शास्त्र एवं दर्शन शास्त्र के महत्वपूर्ण माना गया है। प्राचीन काल से आयुर्वेदिक औषधियों एवं चिकित्सा पद्धति का प्रयोग दुनिया भर के जीव जन्तुओं के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए किया जाता रहा है। आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान इस आधुनिक काल में भी एक अद्वितीय और अभिन्न शाखा होने के साथ ही साथ यह एक अध्ययन का विषय भी है। हमारे शरीर में वात, पित्त और कफ को नियंत्रित एवं सही संतुलन बनाए रखने के लिए आयुर्वेद अपने आप में एक पूरी तरह से प्राकृतिक तरीका है।

❖ **आयुर्वेद की देवभूमि उत्तराखंडः**

उत्तराखंड ने घरेलू और विदेशी स्तर पर आयुर्वेद के क्षेत्र में अपना पैर फैलाया है। प्राचीन काल से ही उत्तराखंड देवभूमि का आयुर्वेद के साथ सदियों पुराना संबंध रहा है। उत्तराखंड राज्य ने हमेशा प्रचारित किया है कि आयुर्वेद को उपचार का एक वैकल्पिक तरीका नहीं होना चाहिए लेकिन इसे उपचार की मुख्य विधि माना जाना चाहिए। उत्तराखंड भारत में उन राज्यों में से एक होने पर गर्व महसूस करता है जहां आयुर्वेद पद्धति को पूर्ण समर्पण के साथ अपनाया जाता है।

❖ **प्राकृतिक वरदानः**

उत्तराखंड की अनुकूल जलवायु और शान्त मानसून के कारण इस राज्य में औषधीय पौधों की एक प्राकृतिक बहुतायत है जो आयुर्वेद के उपचार के लिए बहुत उपयुक्त है। इस राज्य में कई औषधीय पौधे पाए जाते हैं जो हमेशा प्रभावी उपचार प्रक्रिया के लिए उपलब्ध होते हैं। इस राज्य में सिंचाई के लिए गंगा जल की

उपलब्धता के कारण, विभिन्न स्थानों की तुलना में यहाँ की जड़ी-बूटियाँ आयुर्वेदिक दवाओं की गुणवत्ता और दक्षता को बढ़ाती है।

❖ **आधुनिक दौर की जीवन शैली में आयुर्वेद का महत्त्वः**

आयुर्वेद को एक चमत्कारिक औषधि प्रणाली माना जा सकता है जो न केवल स्वास्थ्य देखभाल की एक प्रणाली है, बल्कि आयुर्वेद लोगों के जीवन के हर पहलू में है। असाध्य रोगों से पीड़ित लोगों का इलाज आयुर्वेदिक दवाओं की मदद से प्रभावी ढंग से किया जा सकता है, जिसके कारण लोग आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति का सम्मान करते हैं। इतना ही नहीं, इस COVID-19 महामारी के दौरान आयुर्वेद ने अपना महत्व सिद्ध किया है।

❖ **औषधि पादप महाकुम्भ-202 का आयोजनः**

आधुनिक युग में आयुर्वेदिक औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों की गुणवत्ता, दक्षता और महत्व को समझते हुए, भेषज विज्ञान विभाग, गुरुकुल काङ्गड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार द्वारा **औषधि पादप महाकुम्भ-2021** का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

इस आयोजन में भारत और विदेश के कई विद्वान भाग लेंगे और औषधीय पौधों, जड़ी बूटियों और गंगा जल पर शोध से संबंधित विषयों के बारे में नई जानकारी साझा करेंगे। कई किसानों को न केवल इस कार्यक्रम से लाभ होगा अपितु विद्यार्थियों एवं अन्य क्षेत्रों से संबंधित लोगों को भी औषधीय पौधों और जड़ी बूटियों के बारे में बहुमूल्य जानकारी से अवगत होने का अवसर मिलेगा। इस औषधि पादव महाकुम्भ-2021 के आयोजन से जन-जन लाभान्वित होंगे साथ ही कई नई जानकारियाँ भी उपलब्ध होंगी।

आयोजक

भेषज विज्ञान विभाग

आयुर्विज्ञान एवं स्वास्थ्य संकाय

गुरुकुल काङ्गड़ी (समविश्वविद्यालय),

हरिद्वार (उत्तराखण्ड)